सुविचार

'संभव की सीमा जानने का एक ही तरीका है, असंभव से भी आगे निकल जाना '।

दैनिक

सामुदायिक प्रेषण

कलम की ताकत और जनता का विश्वास

क्षेत्र का अग्रणी मीडिया समूह से जुडने के लिए सम्पर्क करे- 9256695106

● जयपुर से प्रकाशित ● खबरों में निरन्तरता , निष्पक्षता और निड़रता ●RNI.NO - RJHIN/25/A3277

वर्ष : 1 | अंक : 293 | हिन्दी | दैनिक | शनिवार, 29 अगस्त 2026 | कुल पृष्ठ - 4 / पीडीएफ - 4 | संपादक - ओमप्रकाश जागिड़

नेपाल में बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता

चीन की सीमा पर फंसे 400 सुरक्षितः विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता हैं, जबकि चीन की सीमा पर फंसे 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि त्रिशुली-वन जलविद्युत परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय नागरिकों सहित 84 भारतीय नागरिकों को अब तक बचाया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि चीन की सीमा पर फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं।

नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति के बारे में जायसवाल ने कहा कि पहली अच्छी खबर! बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से कल काठमांडू पहुंचे 21 भारतीय नागरिक

आज दिल्ली पहुंच गए हैं। कल हमारे राजदूत ने काठमांडू में उनसे मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। उन्होंने आगे कहा कि इन 21 और 63 के अलावा, हमें पता चला है कि चीन की सीमा में फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं और उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। जैसे ही हमें उनके बारे में और जानकारी मिलेगी, हम आपको सूचित करेंगे। जायसवाल ने बताया कि भारतीय मूल के लगभग 100 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। जिन लोगों से हम संपर्क नहीं कर पा रहे हैं या जो लापता हैं, उनकी संख्या इस समय 320 है। लेकिन कृपया ध्यान रखें कि स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए संख्याएं घटती-बढ़ती रहती हैं। साथ ही, हमें कई सूचियों का मिलान करना है। भारतीय मूल के लगभग 100 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। ये वे लोग हैं जो भारतीय मूल के हैं और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए हो सकते हैं, लेकिन उनके पास अन्य राष्ट्रीयताएं हैं। विदेश मंत्रालय का हमारा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है, जैसा कि काठमांडू और बीजिंग स्थित हमारे दूतावासों के नियंत्रण कक्ष भी कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चीन की सीमा पर मौजूद 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और अपने परिवारों से संपर्क करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि चीन में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर चीनी सीमा पर फंसे 400 लोगों को निकालने के लिए काम कर रहा है।

नेपाल की जल त्रासदी पर मोरारी बापू ने जताया शोक, राहत के लिए 51 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

पीएम फंड में 11 लाख और नेपाल प्रधानमंत्री राहत कोष में 40 लाख रुपये दिए जाएंगे

अहमदाबाद(एजेंसी)। नेपाल में हाल ही में आई भीषण जल त्रासदी से कथाकार मोरारी बापू व्यथित हैं। उन्होंने आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 51 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है। मोरारी बापू ने नेपाल में आई भयावह प्राकृतिक आपदा पर दुख जताते हुए हनुमंत प्रसाद के रूप में 51 लाख रुपये की सहायता अर्पित करने का निर्णय लिया है। इसमें से 11 लाख रुपये चित्रकूट धाम तलगाजरडा के माध्यम से भारतीय प्रधानमंत्री राहत कोष में दिए जाएंगे, जबकि 40 लाख रुपये नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराए जाएंगे। बताया गया है कि इस सहायता राशि की वित्तीय सेवा मुंबई स्थित रामकथा के एक श्रोता द्वारा की जाएगी। इस पहल के जरिए नेपाल में आपदा से प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने और संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़े होने का संदेश दिया गया है। मोरारी बापू ने भारत समेत विश्व के विभिन्न देशों के नागरिकों के लिए हनुमानजी के चरणों में प्रार्थना की। उन्होंने जल त्रासदी में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

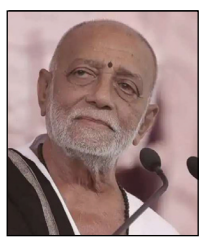

बिलासपुर एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

लैंडिंग के दौरान फटा एलायंस एयर विमान का टायर, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली से बिलासपुर पहुंची एलायंस एयर की फ्लाइट 9आई613 का लैंडिंग के दौरान टायर फट गया, जिससे कुछ देर के लिए विमान में सवार यात्रियों के बीच घबराहट का माहौल बन गया। हालांकि पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एलायंस एयर का विमान दिल्ली से उड़ान भरने के बाद बिलासपुर हवाई अड्डे पर उतर रहा था। जैसे ही विमान के पहियों ने रनवे को छुआ, उसी दौरान उसके बाईं ओर का एक टायर अचानक फट गया। टायर फटने के साथ जोरदार झटका महसूस हुआ, जिससे विमान में मौजूद यात्री घबरा गए। घटना के समय विमान में कुल 41 लोग मौजूद थे, जिनमें 37 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य शामिल थे। टायर फटने के बावजूद पायलट ने विमान पर नियंत्रण बनाए रखा और उसे सुरक्षित रूप से रनवे पर रोका। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित विमान से बाहर निकालकर बसों के माध्यम से टर्मिनल भवन तक पहुंचाया गया।

रक्षाबंधन पर बच्चों के बीच घुले-मिले मोदी

छोटी बच्चियों से बोले- 'महाकाल का प्रसाद मेरे लिए भी लाना'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर स्कूली बच्चों के साथ त्योहार मनाया। इस दौरान छोटी बच्चियों ने प्रधानमंत्री की कलाई पर राखी बांधी, कविताएं सुनाईं और उनसे दिलचस्प सवाल पूछे। पीएम मोदी ने भी बच्चों के साथ हंसी-मजाक किया, उन्हें आशीर्वाद दिया और उनकी बातों का आत्मीयता से जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने रक्षाबंधन समारोह का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में पीएम मोदी बच्चों से गर्मजोशी से मिलते, हाई-फाइव करते और उनसे बातचीत करते नजर आए। एक बच्ची ने उन्हें कमल के आकार की राखी बांधते हुए बताया कि यह 'लोटस वाली राखी' है। इस पर प्रधानमंत्री मुस्कुराते हुए बोले, 'लोटस?'

एक बच्ची ने कविता सुनाते हुए कहा कि जब-जब वह टूटी और बिखरी, तब-तब भाई ने उसे संभाला। कविता सुनने के बाद 'हैप्पी बर्थडे एडवांस में।'

एक अन्य बच्ची ने पर्यावरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित विशेष राखी भेंट की।

प्रधानमंत्री ने बच्ची की तारीफ की और उसे आशीर्वाद दिया। बातचीत के दौरान एक बच्ची ने प्रधानमंत्री को 'हैप्पी बर्थडे' बोला, तो पीएम मोदी ने पूछा कि उनका जन्मदिन कब है। बच्ची ने खुद जवाब देते हुए कहा, '17 सितंबर।' इस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि अच्छा उसने कहा कि उनका स्कूल प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाता है और वह वादा करती है कि 'सबके लिए एआई' की भावना के साथ वह एआई को जिम्मेदारी से सीखेगी और लोगों की मदद के लिए इस्तेमाल करेगी। प्रधानमंत्री ने उसकी बात सुनकर कहा, 'शाबाश!'

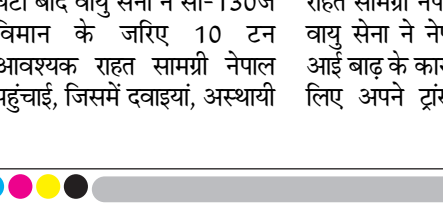

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित लड़कियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीजसे पीड़ित लड़कियों के साथ रक्षाबंधन मनाया। इस मौके पर लड़कियों ने उन्हें राखी बांधी। गृह मंत्री अमित शाह ने लड़कियों को रक्षाबंधन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीरें भी शेयर कीं। अमित शाह ने लिखा, 'आज अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया।

कांग्रेस के लोग ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं करते - शिवराज सिंह चौहान

'हमारा देश पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है'

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान

एजेंसी

अमृतसर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्हें सम्मानित भी किया गया। स्वर्ण मंदिर में दर्शन के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'आज मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे गुरु के चरणों में झुकने का अवसर मिला। मेरा मन असीम ऊर्जा, उत्साह और जोश से भर गया है। यहां कोई छोटा या बड़ा नहीं है। हम सब एक ही पिता के बच्चे हैं, सिर्फ 'एक ओंकार' है, जो आपसी मित्रता और सद्भाव पैदा करता है।' अमृतसर दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों ने उमरा नांगल गांव में किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा देश पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। महिला आरक्षण और कांग्रेस पर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस क्या करेगी? उनके पास कुछ बचा ही नहीं है। वे झूठे आरोप लगाने की प्रवृत्ति रखते हैं, लेकिन कांग्रेस के लोग ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं करते। तो मल्लिकार्जुन खड़गे क्या करेंगे?' उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब महिला आरक्षण को लेकर सियासत तेज है। शिवराज सिंह चौहान ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ आरोप लगाती है, जबकि जनता का भरोसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर है।

मप्र में कूनो के जंगल से 21 दिन से लापता मादा चीता निर्वा सुरक्षित मिली, बाड़े में लाई गई वापस

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो राष्ट्रीय उद्यान से करीब 21 दिन पहले लापता हुई दक्षिण अफ्रीकी से लाई गई मादा चीता निर्वा आखिरकार सुरक्षित मिल गई। उसका सैटेलाइट कॉलर काम नहीं कर रहा था, जिस कारण सिग्नल मिलना बंद हो गया था। लंबी तलाश के बाद टीम ने निर्वा का पता लगाया और शुक्रवार को उसे सुरक्षित वापस बाड़े में छोड़ा गया। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र निदेशक उत्तम कुमार शर्मा ने शुक्रवार को चीता प्रोजेक्ट की उपलब्धियों को एक्स पर साझा करते हुए निर्वा की तलाश को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि कॉलर से सिग्नल नहीं मिलने के बावजूद टीम ने लगातार प्रयास जारी रखे। करीब 21 दिन तक उसकी लोकेशन की पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी थी।

भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गयाः दत्तात्रेय होसबाले

वाराणसी में रक्षाबन्धन पर आरएसएस के सरकार्यवाह का संबोधन

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ में अपरिचित को परिचित एवं परिचित को मित्र बनाने की परम्परा रही है। स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुता इन तीनों अवधारणाओं को विश्व के अनेक देशों ने अलग-अलग रूपों में स्वीकार किया। ऐसे राष्ट्र जहां केवल स्वतंत्रता को महत्व दिया गया वहां स्वच्छंदता व्याप्त हो गयी। जबकि सोवियत रूस जैसे देश ने समानता को वरीयता दी, यह विचार भी टिक नहीं पाया। भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गया है। सरकार्यवाह शुक्रवार को यहां संघ के काशी मध्य तिलक नगर में आयोजित रक्षाबन्धन उत्सव को सम्बोधित

कर रहे थे। सिगरा स्थित डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बतौर मुख्य वक्ता सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने योग वशिष्ठ के एक श्लोक का उल्लेख कर कहा कि ऐसे लोग जो हमारे बन्धु नहीं हैं, उनसे प्रतिदिन मिलने से निकटता बढ़ती है और वह हमारे बन्धु बन जाते हैं। जबकि निकटता के अभ्यास को छोड़ने से बन्धुता का स्नेह बन्धन छूट जाता है। उपस्थित स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति को सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए सरकार्यवाह ने कहा कि हमारी एकता एवं एकात्मता विश्व बन्धुता के संरक्षण और संवर्धन का आधार है। न्यायोचित मार्ग पर चलते हुए बन्धुता को आधार बनाकर स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करने के लिए भारत ने सामाजिक समरसता को अंगीकार किया है।

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत

समझौते पर हस्ताक्षर किये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी राजदूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, अमेरिका, अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है। यह उपलब्धि अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाती है और अमेरिकी तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जैवलिन प्रणाली का उत्पादन जैवलिन संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाता है, जो आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन की साझीदारी है। इससे पहले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की कि भारत युद्ध में परखी जा चुकी एफजीएम-148 जैवलिन टैंक-रोधी मिसाइल प्रणाली को अमेरिका से खरीदने जा रहा है। उन्होंने इसे अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में बड़ी प्रगति बताया। गोर ने एक्स पर लिखा, 'बड़ी खबर! भारत ने युद्ध में परखी जा चुकी जैवलिन एंटी-टैंक प्रणाली खरीदने की योजना बनाई है।

भारतीय वायु सेना ने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई

नेपाल आपदा के कुछ ही घंटों बाद भारत ने एनडीआरएफ की मदद से ऑपरेशन लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने से विनाशकारी सैलाब के कारण मची तबाही से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना राहत और बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभा रही है। आपदा के कुछ ही घंटों बाद वायु सेना ने सी-130जे विमान के जरिए 10 टन आवश्यक राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई, जिसमें दवाइयां, अस्थायी शेल्टर, कंबल और हाइजीन किट शामिल थीं। दूसरी खेप लेकर वायु सेना के सी -17 ग्लोबमास्टर विमान ने 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री (खाद्य पैकेट और जरूरी दवाइयां) लेकर काठमांडू के लिए उड़ान भरी। भारत अब तक कुल 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। वायु सेना ने नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण राहत कार्यों के लिए अपने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट फ्लीट को स्टैंडबाय पर रखा है। इसमें सी-17, सी-130जे और

सी-295 विमान हैं। एक सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट आज देर शाम तक राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए उड़ान भरेगा। वायु सेना के एमआई-17 हेलीकाप्टर भी नेपाली लोगों की मदद के लिए चौबीसों घंटे उड़ान भर रहे हैं। राहत सामग्री लेकर नेपाल जाने वाले विमानों का संचालन वायु सेना के हिंडन स्टेशन से किया जा रहा है। स्टेशन के एओसी एयर कमोडोर आर डोभाल ने कहा कि हम ऐसी इमरजेंसी के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसलिए हमने तुरंत एक सी-130जे हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट तैयार किया। हमने उसमें राहत का सामान, दवाइयां और जनरेटर लोड किए। यह काम सिविल अधिकारियों और एनडीआरएफ की मदद से पूरा करके ऑपरेशन लॉन्च किया। विमान ने रात करीब 8.30 बजे उड़ान भरी और दो घंटे के अंदर नेपाल में लैंड करके करीब 10 टन सामान पहुंचाया।इसी दूसरी फ्लाइट में सी-17 से बाढ़ से तबाह नेपाल के लिए 37.5 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री, दवाइयां और खाने के पैकेट पहुंचाए।

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

ललित गर्ग

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज- ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं।

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी

विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा- स्वस्थ नागरिक, ऊर्जावान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बबार्दी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने- यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

संपादकीय

भयावह हिमालयी त्रासदी

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दर्शाया है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चूकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरूआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा। अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है। बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है।

बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में ह्यविविधता में एकताह्ण का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कोर्ट परिसर और बाहर गैंगवार कानून व्यवस्था पर सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है।देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी।

4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई।

16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई।

6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं।

और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के आदेश देते हुए उन्होंने कहा कि, एक ऐसे स्थान के रूप में अदालत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए समझौता नहीं किया जा सकता। अतः न्यायिक संस्थान सभी पक्षकारों की भलाई के लिए व्यापक कदम उठाएं।

अदालत परिसरों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा प्रणाली में खामियों का मुंह बोलता उदाहरण हैं। इसके लिए जहां अदालत परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है, वहीं अनेक अदालतों में प्रमुख स्थानों पर जहां अभी भी कैमरे नहीं लगे और जो लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश काम नहीं कर रहे, उनका चालू हालत में होना अदालतों में सुरक्षा के लिए जरूरी है।

कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रणः प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाईः स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों।

इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

गरीब विद्यार्थियों के लिए बनेगा संत शिरोमणि अमरा भगत छात्रावास, अहिल्याबाई पुस्तकालय एवं स्मारक

भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ, भामाशाहों ने की उदार मन से सहयोग की घोषणा

सामुदायिक प्रेषण

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी । अखिल भारतीय धनगर गायरी समाज एवं पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई सेवा संस्थान, बड़ीसादड़ी के तत्वावधान में समाज के गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए संत शिरोमणि अमरा भगत छात्रावास, लोकमाता अहिल्याबाई पुस्तकालय/स्मारक के निर्माण कार्य का शुभारंभ शुक्रवार को विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया भूमि पूजन कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, समाजबंधु एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि यह निर्माण कार्य समाज में शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास है

छात्रावास से मिलेगा गुणवत्तापूर्ण आवास

वक्ताओं ने बताया कि संत शिरोमणि अमरा भगत छात्रावास के निर्माण से आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। इससे समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ेगा, अधिक से अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होंगे तथा आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने का सशक्त अवसर मिलेगा।

ज्ञान और प्रेरणा का केंद्र बनेगा परिसर

निर्माणाधीन अहिल्याबाई पुस्तकालय विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगा, जहां विभिन्न विषयों की पुस्तकों के साथ लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन, उनके आदर्शों, सुशासन, लोककल्याण एवं धर्मरक्षा से जुड़े साहित्य का भी विशेष संग्रह रहेगा वहीं लोकमाता अहिल्याबाई स्मारक में उनके जीवन के प्रेरणादायी प्रसंग, सनातन धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन में उनके अतुलनीय योगदान, देशभर में उनके द्वारा करवाए गए मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यों को चित्रों एवं अन्य माध्यमों से प्रदर्शित किया जाएगा। इससे लोकमाता अहिल्याबाई के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी तथा समाज की नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए आगे बढ़ेगी

भामाशाहों ने की सहयोग की घोषणा

इस पुनीत एवं जनहितकारी कार्य के लिए समाज के अनेक भामाशाहों ने उदार मन से सहयोग की घोषणा की:

छोगाल गायरी सेवानिवृत्त अध्यापक, बोरखेड़ा - 4,51,111

लालूराम जी साटोला 2,21,111

घासीलाल जी पटेल सरथला - 1,00,000

कालूराम जी गायरी* अदमाजाजी बावजी का खेड़ा 51,000

मोहनलाल जी* पिता सुखलाल जी, बोरखेड़ा - 51,000

अमरचंद जी गायरी बोरखेड़ा - 11,000

निर्माण सामग्री सहयोगः

गणेश जी पिता भेरूलाल जी गूंजोल जिलाध्यक्ष गायरी समाज राजसमंद 11 डंपर रेती उदयलाल जी पिता शंकरलाल जी बोरखेड़ा - 10 ट्रिप पत्थर सत्यनारायण जी भोपतपुरा - 50 कट्टा सीमेंट समाजजनों ने सभी भामाशाहों का अभिनंदन करते हुए उनके सहयोग को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं ने इस परियोजना को शिक्षा, संस्कृति एवं सामाजिक उत्थान का आधार बताते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से इस निर्माण कार्य में सहयोग देने का आह्वान किया। भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य विधिवत प्रारंभ हुआ

मेड़ता में भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी पार्टी सदस्यता से इस्तीफा देने का सिलसिला जारी

सामुदायिक प्रेषण

डी डी चारण /मेड़ता सिटी । मेड़ता सिटी में इस बार नगर पालिका चुनाव के मध्य नजर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है जहां एक तरफ तो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चुनावों की सरगर्मियों में लगे हुए हैं वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के ही कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है नाराजगी इस कदर की कुछ सक्रिय कार्यकर्ताओ का पार्टी सदस्यता से इस्तीफा देने का सिलसिला भी जारी है सबसे पहले इस्तीफा चंद्र प्रकाश पुजारी ने दिया था वह 20 वर्षों से पार्टी की सच्ची सेवा कर रहे थे उन्होंने बताया कि पार्टी के हि पदाधिकारी स्थानीय कार्यकर्ताओ कि अनदेखी कर रहे हैं पार्टी में हि घुटन महसूस करने लग गए हैं उसके बाद युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री रणजीत वैष्णव नें भी पार्टी सदस्ता से इस्तीफा दे दिया हैं

इनका कहना हैं

मण्डल पदाधिकारीयो द्वारा लगातार युवा मोर्चा को अनदेखा किया जा रहा है व कुछ नेताओं द्वारा कहा जा रहा है कि युवा मोर्चा क्या है कुछ भी नही है और कहते हैं की तुम पार्टी में कुछ भी नही हो इससे आहत होकर मैने ये

रणजीत

सी पी पूजारी

त्यागपत्र दिया है रणजीत वैष्णव

इनका कहना हैं

'मैंने करीब 20 वर्षों तक भाजपा और संगठन की पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवा की है। आगामी चुनाव को लेकर मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ और टिकट के संबंध में जो बातें कही गईं, उससे मैं बेहद आहत हूं। मेरे लिए पद या टिकट से ज्यादा आत्मसम्मान और कार्यकर्ता का सम्मान महत्वपूर्ण है। इसी कारण मैंने भारी मन से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता और मेड़ता मंडल की सदस्यता से इस्तीफा दिया है। '

पूर्व मंत्री डॉ राजकुमार शर्मा का बलारां गांव से एक दशक से अधिक समय से आध्यात्मिक जुड़ाव

श्रावण मास में प्रतिवर्ष गांव के शिव मंदिर में करने आते हैं रूद्राभिषेक

सामुदायिक प्रेषण

लक्ष्मणगढ़। पूर्व मंत्री व नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे डॉ राजकुमार शर्मा ने श्रावणी पूर्णिमा पर बलारां गांव स्थित शिव मंदिर में रूद्राभिषेक किया। इस अवसर पर उनके सुपुत्र युवराज शर्मा ने भी भगवान शिव की पूजा अर्चना कर रूद्राभिषेक किया। इस पर गांव के शिव भक्त मौजूद थे।पंडित अमरनाथ झा के नेतृत्व

में मंत्रोच्चारण के साथ रूद्राभिषेक किया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री डॉ शर्मा पिछले एक दशक से अधिक समय से श्रावण मास में बलारां गांव के शिव मंदिर में रूद्राभिषेक करते आ रहे हैं तथा गांव के साथ आध्यात्मिक जुड़ाव रखे हुए हैं। उनकी शिव भक्ति व गांव के साथ आध्यात्मिक जुड़ाव पिछले ग्यारह वर्षों से अनवरत जारी है।

श्रावणी उपाकर्म में हुआ विधि विधान से यज्ञोपवीत पूजन

सामुदायिक प्रेषण

लक्ष्मणगढ़। ब्रह्मलीन आचार्य श्री नटवर लाल जोशी की स्मृति में लोहार्गल में विधि-विधान से यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम आयोजित हुआ। इससे पूर्व लोहार्गल के साथ सूर्य कुंड मे स्नान, सभी द्विजों ने प्रायश्चित संकल्प के साथ पूर्वजों के तर्पण हेतु ऋषि तर्पण शास्त्रोक्त विधि से करवाया गया। यज्ञोपवीत पूजन पं. अमरचंद पुजारी, पं. बलराम इंदोरिया, पं. गोवर्धन शास्त्री, पं. अनिल त्रिवेदी, पं शैलेन्द्र भार्गव, पं. जगदीश जी, पं हर्ष शर्मा ने समवेत स्वर से मन्त्रोच्चार पूर्वक सम्पादित करवाया। अधिष्ठाता अपूर्व जोशी ने ऋषि वंश परंपरा का वाचन करके पूर्वज ऋषियों को प्रणामांजलि समर्पित की। इस दौरान शशिकांत जोशी एवं ओमप्रकाश सर्राफ ने पूजनक्रम को विधिवत संपन्न करवाया। इस अवसर पर शिक्षाविद अमित शर्मा, पं विजय जोशी, रमाकांत मिश्र, सुरेन्द्र इंदोरिया, प्रकाश गट्टेवाला, मनोज सुरोलिया, दीपक पारीक, मनीष गुर्जरगोड, मुकेश दाधीच, कन्हैया लाल दाधीच, माधव शर्मा, राहुल दुगोलिया सहित उपस्थित अन्य सभी द्विजों ने विश्व कल्याण की कामना करते भगवान की आरती करके पुष्पांजलि समर्पित की। अन्नपूर्णा स्तोत्र के साथ सभी ने प्रसाद ग्रहण किया । संयोजक प्रवीण जोशी ने बताया कि ऋषि पंचमी का पूजन 16 सितम्बर को तोदी कालेज स्थित सेठों के जोहड़े पर होगा। आशीष जोशी ने आगन्तुक विप्रों का आभार व्यक्त किया।

एक राखी लोकतंत्र के नाम अभियान से जुड़े मतदाता मतदान का लिया संकल्प

सामुदायिक प्रेषण

रामगढ़ पचवारा/रोशन लाल । भाई बहन के प्रेम और अटूट विश्वास के पावन पर्व रक्षाबंधन पर इस बार एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल देखने की मिला जहां एक तरफ देशभर में पारंपरिक राखियों से बाजार सजे हुए थे वहीं कई जगहों पर जागरूक नागरिक और महिलाओं ने देश के सबसे बड़ी ताकत लोकतंत्र को समर्पित करते हुए लोकतंत्र की राखी बांधी इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्य के प्रति जागरूक करना तथा लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लेना था इस पहल में युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया कलाई पर लोकतंत्र की राखी बंधवाने वाले युवाओं ने कहा यह उनके लिए एक सामान्य रक्षाबंधन से कहीं बढ़कर है क्योंकि यह उनके देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास करवाता है रामगढ़ पचवारा स्वीप समन्वयक महेंद्र साहू ने व्याख्याता डोब ने बताया कि रामगढ़ पचवारा में 11 सितंबर को नगर पालिका के वार्ड पार्षदों के चुनाव होंगे जिसमें अधिक से वोटिंग हो सके इसमें हम सबको मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की आयोजित मीटिंग में डोटासरा के नारों से गूंजा सभास्थल

दल-बल के साथ हाथों से तख्तियां के नारेबाजी करते हुए मीटिंग में पहुंचे दावेदार

सामुदायिक प्रेषण

लक्ष्मणगढ़। नगरपालिका मंडल के चुनाव को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां श्याम शरणम् मैरिज गार्डन में आयोजित मीटिंग में पार्षद टिकट के दावेदार हाथों में तख्तियां लेकर व नारेबाजी के साथ पहुंचे। इस दौरान सभास्थल पर डोटासरा के समर्थन में नारों से गूंज उठा। आयोजित मीटिंग स्थल भारी संख्या में दावेदारों के समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं के पहुंचने से मीटिंग को मैरिज गार्डन के खुले मैदान में करनी पड़ी तथा वक्ताओं को खड़े खड़े ही उपस्थित जनों को संबोधित करना पड़ा। इस अवसर पर डोटासरा ने अपने संबोधन में भाजपा के खिलाफ जमकर निशाना साधा तथा लक्ष्मणगढ़ में पुनः कांग्रेस का बोर्ड बनाने का आव्हान करते हुए एकजुट होकर चुनाव लडने व कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी मतों से जीताने की अपील की। इस अवसर पर आयोजित सभा को जिला प्रभारी विशाल जांगिड़, सहप्रभारी पीएल प्रजापति निकाय चुनाव प्रभारी, निवर्तमान चैयरमेन मुस्तफा कुरैशी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट राकेश सिहाग सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने संबोधित किया। संचालन पूर्व पार्षद सत्यनारायण सैनी ने किया। सभा में निवर्तमान पालिका उपाध्यक्ष बनवारी पांडेय जिला परिषद सदस्य बनवारी ढाका, सुल्तान भास्कर सहित निवर्तमान कांग्रेस पार्षद, दावेदार उनके समर्थक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर पीसीसी चीफ डोटासरा ने पार्टी पदाधिकारियों से फीडबैक लिया तथा दावेदारों के आवेदनों पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा की।

शारीरिक शिक्षक जाए तो कहाँ जाए- खेल प्रतियोगिता, शिक्षक सम्मेलन एक साथ

सामुदायिक प्रेषण

दौसा। निकाय एवं पंचायती राज चुनाव के कारण शिक्षा विभाग द्वारा खेल कैलेंडर की तिथियों में बदलाव किए जाने के बाद शिक्षकों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 16 सितंबर से जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं शुरू होंगी। इसी दौरान 16-17 सितंबर को शिक्षक प्रतियोगिता तथा 18-19 सितंबर को शैक्षिक अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। ऐसे में शारीरिक शिक्षकों के सामने यह असमंजस पैदा हो गया है कि वे प्रतियोगिता में स्वयं भाग लें, विद्यार्थियों की टीम लेकर जाएं या शैक्षिक अधिवेशन में शामिल हों। संशोधित खेल कैलेंडर के अनुसार प्रथम समूह की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 16 से 20 सितंबर, द्वितीय समूह की 18 से 22 सितंबर, तृतीय समूह की 21 से 25 सितंबर तथा चतुर्थ समूह की 8 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होंगी। वहीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। आरपीएससी शिक्षक फोरम के प्रदेश संयोजक कालूराम मालपुरिया ने कहा कि प्रदेश के करीब 69 हजार विद्यालयों में मात्र 23 हजार शारीरिक शिक्षक हैं। ऐसे में एक शारीरिक शिक्षक को अलग-अलग समूहों की टीमों के साथ प्रतियोगिताओं में जाना पड़ता है। चारों समूहों की प्रतियोगिताओं के बीच पर्याप्त अंतर नहीं होने से खेल व्यवस्थाएं प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने विभाग से मांग की कि प्रत्येक समूह की खेल प्रतियोगिताओं के बीच कम से कम पांच दिन का अंतर रखा जाए। साथ ही शिक्षक प्रतियोगिता को दिसंबर में तथा जिला एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के बाद शैक्षिक अधिवेशन आयोजित किया जाए, ताकि शिक्षकों को एक साथ कई कार्यक्रमों में शामिल होने की मजबूरी न हो। फोरम के मीडिया प्रभारी जितेंद्र सैनी कहना है कि खेल गतिविधियों की बेहतर व्यवस्था, विद्यार्थियों की सहभागिता और शिक्षकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संशोधित कार्यक्रम पर पुनर्विचार किया जाना आवश्यक है। अभय सक्सेना, कैलाश शर्मा,प्रहलाद फाटक्या, राजेश निर्माण, महेंद्र जीरोता, पंकज अग्रवाल, अनिल शर्मा, केशफूल डेन्डान, कमल बीगास, राजेन्द्र गुप्ता,शंभूपोटर, विनोद सिंह,राम खिलाड़ी मीणा,जयसिंह गुर्जर,अनिल शर्मा, मीनाक्षी मल्होत्रा,आदि शिक्षकों ने संशोधन पर विचार का आग्रह किया।

डीबी अस्पताल में आमरण अनशन का असरः 5वें दिन झुका प्रशासन, वार्ता का न्योता

दिनेश भामासी बोले- 'कोरे आश्वासनों से नहीं मानेंगे'

सामुदायिक प्रेषण

चूरू। राजकीय भरतिया (डीबी) अस्पताल में लचर स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के खिलाफ चल रहा सत्याग्रह आज 5वें दिन भी जारी रहा। पिछले कई दिनों से शांतिपूर्ण विरोध के बावजूद कोई ठोस कदम न उठाए जाने पर आंदोलनकारियों ने आज से आमरण अनशन का रुख अपना लिया। अनशन शुरू होते ही अस्पताल प्रशासन पर दबाव बढ़ गया और हरकत में आते हुए अधिकारियों ने आंदोलनकारियों को औपचारिक वार्ता का निमंत्रण भेजा, जिसके तहत कल दोनों पक्षों के बीच टेबल टॉक होगी। इस दौरान दिनेश भामासी ने कहा कि डीबी अस्पताल पूरे जिले की जीवनरेखा है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और बदहाली ने आम जनता को बेहाल कर दिया है। 5 दिनों तक शांतिपूर्ण आंदोलन करने

के बाद जब आमरण अनशन शुरू किया गया, तब जाकर जिम्मेदार जागे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने कल बातचीत के लिए बुलाया जरूर है, लेकिन आंदोलनकारी केवल कोरे आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे; जब तक मरीजों के हित में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और ठोस सुधारों की लिखित सहमति नहीं मिल जाती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा ।

पेड़-पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर मनाया रक्षाबंधन पर्व देवदा स्कूल में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया अनूठा संदेश

सामुदायिक प्रेषण

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा / बड़ीसादड़ी । उपखंड़ क्षेत्र के देवदा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया। विद्यालय परिसर में पूर्व में लगाए गए पेड़-पौधों को छात्राओं ने रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया

शिक्षकों, ग्रामवासियों एवं विद्यार्थियों के प्रयास से विद्यालय में वर्तमान में एक हजार से अधिक पेड़-पौधे पुष्पित एवं पल्लवित हो रहे हैं।

पेड़ों को माना अपना रक्षक

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजन कर पेड़-पौधों को रक्षा सूत्र बांधे। इस दौरान छात्राओं ने पेड़-पौधों को अपना रक्षक मानते हुए उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दिया पर्यावरण प्रेमी शारीरिक शिक्षक जगदीश शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते की रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। जिस प्रकार हम अपने प्रियजनों की रक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी भावना से पेड़-पौधों की सुरक्षा करना भी हमारा कर्तव्य है। *एक पेड़ की रक्षा करना आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की रक्षा करने के समान है संस्था प्रधान पूरणदास वैष्णव ने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की भावना को संस्कार के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। पेड़-पौधों को रक्षा सूत्र बांधने की पहल बच्चों को प्रकृति से जोड़ने वाली अनूठी गतिविधि है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित होगी तो वे भविष्य में समाज को भी हरियाली और स्वच्छता का संदेश देंगे

कार्यक्रम में रहे मौजूद

इस अवसर पर शिक्षक कमलेश वैष्णव शिक्षिका रुचि दवे, शिक्षक प्यारेलाल मीना नरेंद्र सिंह तंवर, राम लक्ष्मण नागर जगदीश चंद्र सुथार एवं शारीरिक शिक्षक जगदीश शर्मा सहित विद्यालय के विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे

संघ ने मनाया सामाजिक समरसता का पर्व रक्षाबंधन

नगर के कार्यक्रम में स्वयंसेवकों और मातृशक्ति ने लिया राष्ट्र रक्षा का संकल्प

सामुदायिक प्रेषण

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बड़ी सादड़ी की ओर से सामाजिक समरसता का पर्व रक्षाबंधन मनाया गया। रक्षाबंधन के दिन प्रातः 8:00 बजे स्वर्णकार समाज के नोहरे में बड़ी सादड़ी नगर का केंद्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संघ के विभाग कार्यवाह भूरालाल ने बौद्धिक दिया। उपस्थित स्वयंसेवकों एवं समाज जनों को संबोधित करते हुए भूरालाल ने कहा कि प्राचीन काल से हिंदू समाज में इस पर्व का बड़ा महत्व है। समाज में समरसता का भाव प्रबल रहे एवं संगठित अवस्था में समाज आगे बढ़ता रहे इस उद्देश्य से संघ ने भी इस पर्व को अपने छह उत्सवों में शामिल किया है। संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त समाज में पंच परिवर्तन से संबंधित विषय और उनकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। राष्ट्र की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा करते हुए

कहा की हमें राष्ट्र के विरुद्ध चल रहे विभिन्न षडयंत्रों को पहचान कर उनके निवारण की दिशा में अपनी भूमिका तय करनी होगी । राष्ट्ररक्षा और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान करना होगा।उपस्थित सभी स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति ने आपस में एक दूसरे को राखी बांधकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया। इसी क्रम में मधुबन कॉलोनी, नाकोड़ा नगर, गाड़िया लोहार बस्ती, बागरिया बस्ती, नारजी का खेड़ा, इंदिरा कॉलोनी वह अन्य सेवा बस्तियों में भी समरसता के भाव को लेकर रक्षाबंधन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

बाबा सिद्धेश्वर महादेव का राजराजेश्वर स्वरूप में आलौकिक श्रृंगार, आरती व भव्य आतिशबाजी

सामुदायिक प्रेषण

जयपुर। सावन मास की पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को मां अम्बालिका मंदिर, जयअंबेनगर, टोंक रोड में शिव भक्त अभिषेक खंडेलवाल एवं उनकी टीम द्वारा बाबा सिद्धेश्वर महादेव का राजराजेश्वर स्वरूप में आलौकिक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर विशेष आरती एवं भव्य आतिशबाजी का आयोजन हुआ, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कैलाशी नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। दिव्य श्रृंगार के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। शाम 7:15 बजे आयोजित आरती में श्रद्धालुओं ने सपरिवार भाग लिया तथा बाबा सिद्धेश्वर महादेव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। इसके बाद हुई भव्य आतिशबाजी ने आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए। शिव भक्त अभिषेक खंडेलवाल एवं उनकी टीम द्वारा पूरे सावन माह किए गए धार्मिक आयोजनों का समापन श्रद्धा, भक्ति और उत्सवपूर्ण वातावरण के बीच हुआ।

नौशेरा में एलओसी पर आतंकी घुसपैठ विफल

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की एक बड़ी घुसपैठ के प्रयास को भारतीय सेना ने विफल कर दिया है। आज शाम करीब 7:15 बजे सीमा पर तैनात मुस्तैद जवानों ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को भारतीय क्षेत्र में दाखिल होते देखा, जिसके बाद दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। सेना ने पूरे इलाके को घेरकर एक व्यापक खोज अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, नौशेरा सेक्टर के अंतर्गत आने वाले रूमीधारा क्षेत्र (20 गढ़वाल राइफल्स का सामान्य क्षेत्र) में सीमा पर लगी कटीली बाड़ के पास सेना की एक आरटी कॉलम पोस्ट तैनात थी। इसी दौरान जवानों को पीठ पर भारी बैग टांगे एक संदिग्ध आतंकवादी की हरकत दिखाई दी। संदिग्ध घुसपैठिया कटीली बाड़ और वास्तविक नियंत्रण रेखा के बीच के क्षेत्र में रेंगते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधि भांपते ही आरटी कॉलम ने तुरंत मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। भारतीय जवानों को भारी पड़ता देख घबराए आतंकवादी ने भी खुद को बचाने के लिए सेना पर दो राउंड जवाबी फायर किए। भारतीय सेना की 20 गढ़वाल राइफल्स के जवानों और सीमा पर तैनात अन्य सभी सहायक टुकड़ियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादी के भागने या छिपने की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त कुमुद बुलाई गई है, और पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सरकारी शिक्षकों को आरएसएस रैली में शामिल होना पड़ा महंगा : कर्नाटक में दो निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को निलंबित किया है। इन शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन करने का आरोप है। कर्नाटक शिक्षा विभाग के अनुसार, विभागीय जांच लंबित रहने तक यह कार्रवाई की गई है। निलंबित किए शिक्षकों में हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। निलंबित शिक्षक जोशी पर 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस रैली में शामिल होने का आरोप है, जिसकी तस्वीर लोकल समाचार पत्र में प्रकाशित हुई थी। वहीं, अन्ना साहेब देशमुख ने 10 अक्टूबर 2025 को हुनासागी में हुए संघ पथ संचलन में भाग लिया था। इन घटनाओं के बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने कड़ी आपत्ति जताकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खर्गे से भी कार्रवाई की मांग की गई थी। शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अपने लिखित जवाब में शिक्षकों ने तर्क दिया कि ये कार्यक्रम स्कूल के कामकाजी घंटों के दौरान नहीं, बल्कि रविवार को हुए थे और इनकी प्रकृति राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक थी। हालांकि, शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के स्पष्टीकरण को यह कहकर खारिज किया कि कर्नाटक सिविल सेवा नियमों के तहत इस घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल-चीन सीमा पर बनी खतरनाक झील से भारत तक बाढ़ का खतरा, अगले 72 घंटे अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भोटेकोशी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद अब एक और बड़े खतरे ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल-चीन सीमा के पास छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम पर विशाल बैरियर लेक बन गई है। वैज्ञानिकों और चीनी अधिकारियों ने प्राकृतिक झील के कमजोर बांध को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसके फटने से अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर आ सकता है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने अगले 72 घंटों को बेहद अहम बताकर इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। यह झील भारत की सीमा से सीधे नहीं सटी है, बल्कि लगभग 120 से 140 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। हालांकि, इसका नदी तंत्र भारत से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र से निकलने वाला पानी नेपाल के रास्ते आगे बढ़ता है और अंततः गंडक नदी के जरिए बिहार में प्रवेश करता है, जिससे डाउनस्ट्रीम इलाकों में भी चिंता बढ़ी है। चीन की चेतावनी के अनुसार, बैरियर लेक में तेजी से करीब 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो चुका है और अनुमान है कि लगभग 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी और इकट्ठा हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़ने से यह प्राकृतिक बांध टूटता है, तब ग्लेशियल या भूस्खलन से बनी झील के अचानक फटने जैसी स्थिति माना जाएगा। ऐसी स्थिति में पानी सामान्य बाढ़ की तरह धीरे-धीरे नहीं बल्कि बहुत तेज गति से चट्टानों, मिट्टी और मलबे के साथ नीचे आता है, जिससे भारी तबाही मच सकती है। अगले 72 घंटों के लिए चीन ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग और फ्लड सिमुलेशन शुरू किया है ताकि बांध के टूटने पर पानी के बहाव की दिशा और गति का अनुमान लगाया जा सके। सबसे बड़ा सवाल यही है कि लेक का पानी सिर्फ ओवरफ्लो करेगा या पूरा बांध टूट जाएगा।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने बिछी सियासी बिसात

-बीजेपी का मुफ्त बस यात्रा का ऐलान तो सपा ने 40 हजार देने का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने के लिए सियासी बिसात बिछने लगी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने का ऐलान किया तो उसके जवाब में समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं रही उसने डिंपल यादव को फ्रंटफुट पर उतार दिया। डिंपल यादव ने स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपए देने का वादा कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिंपल के फ्रंट पर आकर मोर्चा संभालने और महिला कार्ड खेलने के बाद बीजेपी ने अपनी रणनीति बदली। सपा के इस दांव को काटने और महिला वोटरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज मैदान में उतार दी है। बीजेपी की महिला नेताओं ने सपा के महिला कार्ड को काउंटर करना शुरू कर दिया है। यूपी में महिला मतदाता किसी भी चुनाव का पासा पलटने की ताकत रखती हैं। इसीलिए सपा और बीजेपी दोनों ही शह-मात का खेल खेलना शुरु कर दिया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जैसे ही महिलाओं को साधने का दांव चला, बीजेपी की महिला नेता फ्रंटफुट पर उतरकर सपा को महिला विरोधी कठघरे में खड़ा करने में जुट गई हैं।
सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी में महिला वोटों को साधने के लिए अपनी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव को आगे कर दिया है। डिंपल ने बुधवार को सपा मुख्यालय में अपनी महिला ब्रिगेड के साथ स्त्री सम्मान समृद्धि योजना का ऐलान किया और कहा कि पार्टी के पीडीए का एक बड़ा मतलब आधी आबादी भी है। उन्होंने कहा कि सपा का मानना है कि जब तक महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। महिलाओं को मोबाइल, लैपटॉप, पैसा, पाठशाला और प्रशिक्षण जैसे माध्यमों से सशक्त किया जाएगा। डिंपल के साथ अखिलेश यादव ने भी महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा। उन्होंने कहा कि जब महिला आरक्षण बिल संसद से पास हो चुका है, तो बीजेपी इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है? इसे 2027 के विधानसभा चुनाव में ही लागू किया जाना चाहिए। डिंपल यादव के महिला कार्ड को काउंटर करने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज उतार दी है। योगी सरकार में मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि यूपी में सपा सरकार के दौरान बेटियां असुरक्षित थीं और महिलाओं का राह चलना दूभर था। सपा की महिला नेता रोली मिश्रा के साथ सपा कार्यकर्ताओं द्वारा अभद्रता के आरोपों पर अखिलेश यादव चुप रहे। योगी सरकार में महिलाएं भयमुक्त माहौल में जीवन जी रही हैं। सपा से विधायक बनीं और बगावत कर बीजेपी में आईं विधायक पूजा पाल ने कहा कि महिलाएं सपा के जाल में नहीं फंसने वाली हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करना हास्यास्पद है1 सपा सरकार में महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार और छेड़खानी की घटनाएं होती थीं, यह सभी ने देखा है। चुनाव को लेकर जो महिला कार्ड खेला जा रहा है, वह काम नहीं आने वाला, महिलाएं सपा के दौर को भूल नहीं पाई हैं।

राजस्थान में इस महीने स्वाइन फ्लू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए

-संक्रमण से बचने सावधानी और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अगस्त में स्वाइन फ्लू के 55 मामले सामने आए हैं, जो इस साल किसी एक महीने में दर्ज मामलों की सबसे ज्यादा हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नए मामलों के साथ राज्य में जनवरी 2026 से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 146 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि कुछ राज्यों, विशेषकर दिल्ली में एच1एन1 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए विभाग स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों को स्थिति से निपटने के लिए जरुरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में जनवरी में दो, फरवरी में तीन, मार्च में 20, अप्रैल में 22, मई में 25, जून में 14, जुलाई में पांच और अगस्त में 55 मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि एच1एन1 वायरस के किसी नए या अधिक घातक स्ट्रेन के फैलने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर के मुताबिक वर्तमान में प्रसारित वायरस पहले से ही सक्रिय है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी है। राठौड़ ने बताया कि एच1एन1 या स्वाइन फ्लू एक श्वसन संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में जटिलताओं का जोखिम ज्यादा रहता है।

तमिलनाडु सीएम अपनी तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए

-सदन की कार्यवाही में लिया हिस्सा, विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार हुआ

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को असामान्य नजारा देखने को मिला। सीएम सी जोसेफ विजय अपनी सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है कि जब किसी सीएम ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए तय सीट पर बैठकर कार्यवाही में हिस्सा लिया। वे सदन के नेता और मंत्री केए सेंगोट्टैयन और मंत्री आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम विजय के लिए विधानसभा में स्पीकर की सीट के पास अलग सीट निर्धारित है। वहीं मंत्री सामने की कतार में बैठते हैं। उनकी सीटें आमतौर पर वरिष्ठता के आधार पर तय होती हैं। विधायक और मंत्री कभी-कभी आपसी बातचीत के लिए अपनी सीट बदल लेते हैं, लेकिन सीएम का अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर जाकर बैठना सामान्य नहीं था।
सीएम विजय के सीट बदलने से पहले विधानसभा में अहम मुद्दों पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा कि विभागीय सचिव चर्चा के दौरान सदन में मौजूद क्यों नहीं हैं। उदयनिधि ने करूर भगदड़ का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन सीएमए एमके स्टालिन, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव अहम मुद्दों पर चर्चा के समय सदन में मौजूद रहते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में अधिकारियों की ऐसी मौजूदगी दिखाई नहीं दे रही है।

अमित शाह बोले- गांधीजी ने धर्मांतरण को माना था पाप

गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री ने बापू के विचारों का किया उल्लेख और कहा- स्वार्थ के लिए राजनीति करना गलत

अहमदाबाद, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महात्मा गांधी के विचारों और उनके बताए सामाजिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बापू ने धर्मांतरण को पाप का एक रूप माना था। उन्होंने लोगों से अपने स्वधर्म यानी अपने धर्म और अंतरात्मा की आवाज के अनुरूप जीवन जीने का आग्रह किया था। शाह ने कहा कि वे बहुत कम उम्र से ही महात्मा गांधी के प्रशंसक रहे हैं और एक तरह से उनके अनुयायी भी हैं।
शाह अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में करीब 900 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। गृह मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह दिन महत्वपूर्ण और अनमोल है, लेकिन उनके लिए भी यह अवसर विशेष महत्व रखता है। उन्होंने गुजरात विद्यापीठ से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे यहां की लाइब्रेरी की किताबों के शौकीन पाठक रहे हैं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन इसी संस्थान के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनने का अवसर मिलेगा।

बचपन में काता सूत, खादी पहनने का लिया था संकल्प

अमित शाह ने महात्मा गांधी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने लंबे समय तक खादी बुनी और सूत काता है। उनकी मां ने उनसे जीवनभर खादी पहनने का संकल्प भी करवाया था। उन्होंने विद्यार्थियों से गांधीजी के विचारों को पढ़ने और उन्हें जीवन में उतारने की अपील की। सिद्धांतों के बिना राजनीति को बताया पाप गृह मंत्री शाह ने गांधीजी द्वारा बताए गए 'सात सामाजिक पापों' और उनकी रचनाओं में वर्णित 11 गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इन मूल्यों का पालन करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधीजी के

अनुसार सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। राजनीति स्पष्ट सिद्धांतों और उद्देश्यों पर आधारित होनी चाहिए। जो लोग केवल अपने स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं, वे भी एक तरह से पाप कर रहे हैं। शाह ने कहा कि गांधीजी 'नवनिर्माण' के बजाय 'पुनर्निर्माण' शब्द का इस्तेमाल करते थे। उनके मुताबिक भारत विशाल देश था, लेकिन गुलामी के दौर में इसे तोड़ दिया गया था। इसलिए गांधीजी देश के पुनर्निर्माण की बात करते थे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी गांधीजी के पुनर्निर्माण संबंधी विचारों से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

सीजेपी एक-दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी: चिदंबरम

चेन्नई, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि अगर कॉकरोच जनता पार्टी एक या दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। चिदंबरम ने चेन्नई में एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। अभिजीत दीपके की सीजेपी को लेकर चिदंबरम ने कहा कि मुझे नहीं पता और मैं यह नहीं कह सकता कि क्या यह पूरे देश में तीसरी ताकत के तौर पर उभर पाएगी या नहीं। उन्होंने सरकारी स्कूलों की हालत पर केंद्रित इस नई पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान का जिक्र किया और सत्ता में बैठे लोगों पर संगठन के इस अभियान के असर को माना है। उन्होंने कहा कि सीजेपी के इस अभियान ने सत्ता में बैठे लोगों को जगा दिया है। सीजेपी के अभियान के बाद सरकारी स्कूलों को ठीक करने के लिए फंड देने की घोषणाएं की जाने लगी हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनटीए की ओर से इस साल आयोजित नीट-यूजी पेपर लीक

को लेकर चिदंबरम ने कहा कि ऐसा होना तय था। उन्होंने एनटीए में स्थायी कर्मचारियों की कम संख्या और देश भर में हजारों सेंटर्स पर परीक्षा आयोजित करने की जरूरत का जिक्र किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीएमके बीजेपी के करीब आएगी, तो इस पर चिदंबरम ने जवाब दिया कि इसकी कोई संभावना नहीं है। अगर वे ऐसा करते हैं, तो वे खुद अपना नुकसान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस ने विधानसभा में एक प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिसमें केंद्र से लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 पर ही बनाए रखने और राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने की अपील की गई थी।

गोवा में धर्मांतरण रोधी विधेयक का विपक्ष कर रहा विरोध, सीएम बोले- सदन में करेंगे चर्चा

पणजी, एजेंसी।
धर्मांतरण रोधी विधेयक के मसौदे का विरोध बढ़ने के बीच गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि इस विधेयक पर कोई भी चर्चा 31 अगस्त से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में होगी। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 'गोवा गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध विधेयक, 2026' में बलपूर्वक, दबाव, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, कपटपूर्ण साधनों या विवाह के जरिए कथित धर्मांतरण के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक समेत विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर दावा किया है कि इससे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीएम सावंत ने विपक्ष के विरोध पर कहा कि विधेयक को सदन में पेश होने दीजिए। हम वहीं

इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून पर अन्य कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह विधेयक आगामी तीन दिवसीय मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधेयक के तहत अपराधियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा कम से कम 50,000 रुपए का जुर्माना और पीड़ितों को पांच लाख रुपए तक का मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है। प्रस्तावित कानून में उस विवाह को ''अवैध'' घोषित करने का भी प्रावधान है, जो केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो। इस अपराध के दोषी पाए जाने वाले हिंदू पुजारियों और मौलवियों समेत अन्य लोगों को न्यूनतम 10 साल के कारावास की सजा हो सकती है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य पहले ही धर्मांतरण रोधी कानून बना चुके हैं।

कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बाढ़-भूस्खलन में अलनीनो निभा रहा अहम भूमिका

-समुद्र का तापमान बढ़ना समुद्री जीवन के लिए ही खतरा नहीं, मौसम पर भी पड़ती है मार

नई दिल्ली, एजेंसी।
कहीं भीषण गर्मी तो कहीं कम समय में तेज बारिश से बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालात बन रहे हैं। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन के साथ इस समय मजबूत हो रहा अल नीनो भी अहम भूमिका निभा रहा है। हालिया आंकड़े इस बदलाव की गंभीर तस्वीर दिखाते हैं। 22 अगस्त को दुनिया के समुद्रों का औसत सतही तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 1979 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले रिकॉर्ड 21.09 डिग्री सेल्सियस का था, जो मार्च 2024 में दर्ज हुआ था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र धरती की अतिरिक्त गर्मी का बहुत बड़ा हिस्सा अपने अंदर जमा करता है। इसलिए समुद्र का तापमान बढ़ना केवल समुद्री जीवन के लिए खतरा नहीं, बल्कि इसका असर पूरी मौसम व्यवस्था पर पड़ सकता है। गर्म समुद्री पानी से वाष्पीकरण बढ़ता है। इससे वातावरण में ज्यादा नमी पहुंच सकती है और कुछ इलाकों में भारी बारिश और तूफानों की ताकत बढ़ सकती है। दूसरी ओर समुद्र का गर्म होना मछलियों, प्रवाल भित्तियों और दूसरे समुद्री जीवों के लिए भी परेशानी बढ़ाता है। वैज्ञानिकों ने समुद्र के इस नए रिकॉर्ड को बेहद चिंताजनक बताया है।
रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया एक मजबूत अल नीनो का सामना कर रही है। पूर्वानुमान के मुताबिक अल नीनो के 2026 के अंत तक और मजबूत होने की संभावना है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के दौरान बहुत मजबूत अल नीनो की संभावना 90 फीसदी से ज्यादा बताई गई है। एक आकलन में इस अवधि में ऐतिहासिक रूप से बेहद मजबूत घटना की 69 फीसदी संभावना भी जताई गई है। वैज्ञानिक मॉडल यह भी संकेत दे रहे हैं कि मौजूदा अल नीनो अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच अपने चरम पर पहुंच सकता है और इसकी ताकत पुराने सबसे मजबूत अल नीनो घटनाक्रमों के स्तर के करीब जा सकती है।
वहीं भारत में इस साल मानसून में कई जगह भारी बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिली हैं। हिमाचल प्रदेश इसका उदाहरण है। 30 जून से 23 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश में 224 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 91 मौतें बारिश से जुड़ी आपदाओं, जैसे भूस्खलन, बादल फटने और डूबने जैसी घटनाओं से हुईं। राज्य में 149 सड़कें बंद रहीं और मानसून से हुआ कुल नुकसान 1,121 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया।
भारत में जहां बारिश और बाढ़ चिंता बढ़ा रही है, वहीं यूरोप के कई हिस्से लगातार भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। 2026 की गर्मियों में लगातार कई

रिकॉर्ड गर्मी की लहरें देखने को मिली हैं। हालिया आकलन के मुताबिक यूरोप में इस गर्मी की लगातार चार बड़ी हीटवेव से कम से कम 35,000 अतिरिक्त मौतें जुड़ी हो सकती हैं। जर्मनी, फ्रांस और स्पेन में ही 25,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतों का अनुमान है। ये आंकड़े शुरुआती हैं और कई देशों से अगस्त का पूरा डेटा अभी सामने नहीं आया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक ओमप्रकाश जांगिड़ के लिए स्काईटेक प्रिंटर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 244 श्याम नगर विस्तार सांगानेर से प्रकाशित फोन नंबर 9784657775 सहायक संपादक धर्मसिंह गुर्जर सहयोगी संपादक एवं संरक्षक मुकेश कुमार टेलर पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार ईमेल samudayaknews@gamil.com संपादकीय कार्यालय 105, डीपी कार्प ओके प्लस बिल्डिंग, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर